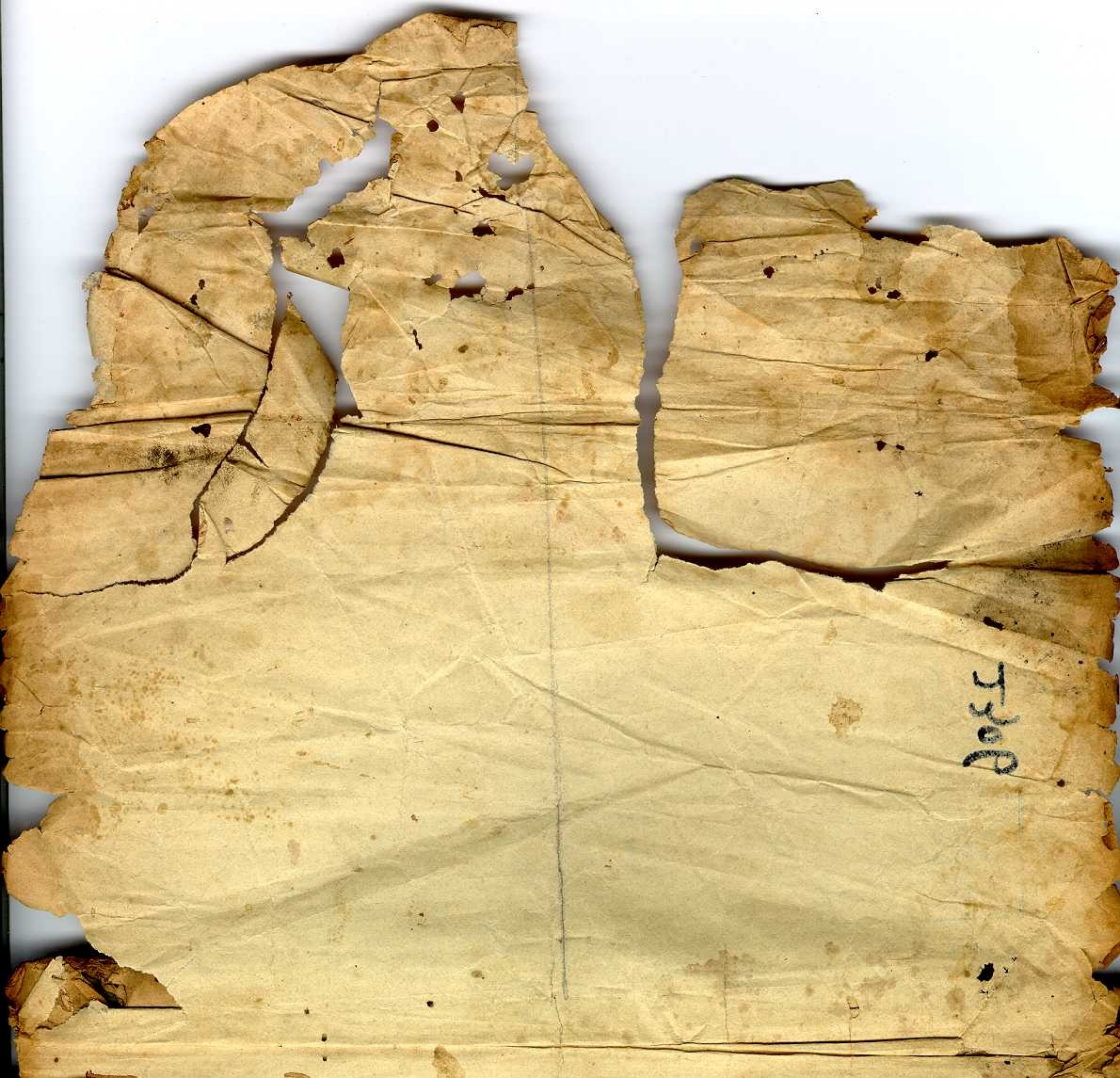




5309

मास पत्था माको पुहा

माहुँ त मी गलु वा मा दति वत् को जरा
माहुँ ते स को रस ही कि उला गारि मा
दिनु प दिनु मा विगारती को जदु

2121121

ही श्रगादि या वरु व	पटु मवि जे वु शा	पटु जालो तोल	१	अक्ष
वाउते	वतो उते	पी पला तोल	१	से तो ये लादि वता
		लवा ग तोला	१	ही सा पद्मे
म मल गता तोला	१	ये ती ओ संधी सम	१	के सा भाग
जवा तु तोला	१	गरी मल गतु तातो वा	१	धिव ला तोला
सि. वे तु तु तोला	१	वी. से ग म्मा तु	१	सुक मेल तोला
जाई फल तोला	१			ल वी ग तोला
बेल को वाता तोला	१	को सग ये ला दि कुठी	१	ये ती ओ यदि म
जारे यत्री तोला	१	का वता उते ही साय	१	गरी तातो वाता
दारी म को को को तो	१			ग म्मा तु अ मल
ला	१	अले ची तोला	१	त नी को द्रु
ये ती ओ संधी मी	१	तेज कात तोला	१	ये तो ये ला दि
मी मल गत व म्मा	१	वाल ची तो तोला	१	रो द्रो
ल ति गतु तोतो वाती	१	उसी र तोला	१	मे स र तोला
सी ग म्मा तु साज वेदा	१	मरी व तोला	१	धिव ला तोला
त सा गु लागे को ची	१	को र तोला	१	नी श्री तोला
को द्रु	१			सुक मेल तोला
ये ती ओ संधी मी	१	वेदा त दा म तोला	१	व सलो व तोला
मी मल गत व म्मा	१	अष्ट र तोला	१	ल वा उ तोला
ल ति गतु तोतो वाती	१	पी पला तोला	१	ये ती ओ यदि सम
सी ग म्मा तु साज वेदा	१	व सलो व तोला	१	वाल मा या तोला
त सा गु लागे को ची	१	मी श्री तोला	१	
को द्रु	१	सुगो तोला	१	
ये ती ओ संधी मी	१	जोगी म धु तोला	१	
मी मल गत व म्मा	१	ये ती ओ यदि सम	१	
ल ति गतु तोतो वाती	१			
सी ग म्मा तु साज वेदा	१			
त सा गु लागे को ची	१			
को द्रु	१			

श्री तेल	१	वैरी आठ का दूध का	१	हमर थोड़ा	१	श्री तेल
श्री तेल	१	इजाद	१	अमल का दिक्का	१	विशुद्ध तेल
श्री तेल	१	शुभली का दूध	१	रुद्धि म झाड़ा हने	१	येती ओ सदि
श्री तेल	१	काठु तेल	१	हो आठ व थोड़ा	१	मगरी मल जल
श्री तेल	१	जड़ वी तेल	१	अमल तेल	१	मालु सुं मे झाड़ा
श्री तेल	१	अशो गन्ध तेल	१	सी खेतु तेल	१	ला
श्री तेल	१	केसर तेल	१	सुठो तेल	१	सु अमल पागा दि
श्री तेल	१	देव दार तेल	१	दोरी तेल	१	ताठु वेदी सायु दूध
श्री तेल	१	मो धक तेल	१	सवा त के तेल	१	लवा ग तेल
श्री तेल	१	मेज पात तेल	१	चीता को जग तेल	१	मरी द तेल
श्री तेल	१	सुठो तेल	१	वी यल तेल	१	येती ओ सादि
श्री तेल	१	श्री श्री तेल	१	येती ओ सादि	१	विशुद्ध तेल
श्री तेल	१	जड़ को दूध मादा	१	ह गरी घातु रुद्ध	१	सुठो तेल
श्री तेल	१	जड़ को दूध	१	साड़ा दाला आम	१	जड़ यल तेल
श्री तेल	१	शुभली तेल	१	वाथ जी	१	वीती तेल
श्री तेल	१	लवा ग तेल	१	श्री	१	येती ओ सदि
श्री तेल	१	पाल चीती तेल	१	ल्यागा दि पाच कुव	१	ल गरी रा मरु दूध
श्री तेल	१	वै सले वर तेल	१	ताठु वेदी सायु दूध	१	श्री
श्री तेल	१	श्री मीत तेल	१	अमल तेल	१	जरा को वासा दि
श्री तेल	१	मरी द तेल	१	पाल चीती तेल	१	पीत वाथ जरी
श्री तेल	१	वीता को जग तेल	१	ठसी र तेल	१	क व थ जरी
श्री तेल	१	काठील तेल	१	स्याग तेल	१	का स व तेल
श्री तेल	१	गोघर तेल	१		१	अवाला तेल

राज वात तेल १
 गार्ड येल तेल १
 तील कमल तेल १
 श्री १५५ तेल १

जि वात तेल १ गड्डि चल् तेल १ तील् कमल तेल १ मो था तेल १
रुद्र भजो तेल १ का च तेल १ कछु तेल १ जीम तेल १
इ ५ व मा सा को सिं गढा तेल १ वाग के तेल १ मरी च तेल १
भाद भाग १ ये क भाग वि चरा तेल १ दुगो तेल १ गड्डि चल् तेल १
तातो काटी दी म भाग वि चला तेल १ वै सलो वै तेल १ वेरो तेल १
अथ वा पद्मी ले जा क क रु भ गि तेल १ देसी सु तेल १ अले ची तेल १
र मा द्विलि भात गड्डि को चो उकाड १ छकु मेल तेल १ धती या तेल १
सी त छातु वा कु उ ये ती मी लाई जाई चल् तेल १ पी चला तेल १
रु मा जी इ ओ सदि चल् गत रुद्रा जीम तेल १ वेरो तेल १
अगरी सु प च पका रु व र जग मा भा तेल १ चाल ची ती तेल १
मि दो प्र मा को मा भा ग श्री मी ड तेल १ वायु वी ड ग तेल १
सी चला तेल १ ही छातु र चो तु पु वे ड क र तेल १ गु जी मी ला तेल १
सी धे तु त तेल १ सु रु ई क रुद्रा जीम तेल १ रुगो तेल १
मा था तेल ५ उ सी रा ची चर धती या तेल १ ये ती ओ सदि १
सी रा तेल १ व ता रु वे ही सा प क स म ग री व ल १
रुगो तेल १ दो पी चला दे व री व ली गतु दु ला ला इ १
विद्या रु त ताला २ उ सी र तेल १ क रु ते ही सा प द्वा सा १ सा ता मा र १
धती या तेल २ च ति या तेल १ क रु जीम तेल १ म ला ड म सा २ १
रुति वा तेल २ इद्र ओ तेल १ वि चला तेल १ प्र मा सी ग भा ड १
प वा रु तेल २ वे ल का का त तेल १ धती या तेल १ रु पित ज तेल १
वेरो तेल ४ मो था तेल १ वायु वि ड ग तेल १ मी श्री मा सा १ व ल १
येल तेल ५ ये ती ओ सदि रुद्रा जीम तेल १ दि लु वा थं ग तेल १
मि श्री मा सा १

मन्दा मर्च प्रता	कनैर तोला
डी वटा ठेके द्वासा	ने ज धात तोला
पुद्ग	मरीज तोला
पुद्ग तोला	पीपला तोला
पुद्ग तोला	पुद्ग तोला
पीपला तोला	तीर्क वल तोला
पीपला तोला	जगु माशी तोला
मरीच तोला	सुक्क्यारी लाई काठ
पीपला तोला	झाउते सुक्क्यारी मे
येती ओ सदि का	पुक्क्या वही मे द्वा
गती को रस मा मल	दिव समझ छाउते
गुं अमला प्रमी सं	पियला तोला
वे द्वा व ता तो पाती	धती या तोला
पी ज मा तु वायु मल	पुद्ग तोला
आम प च द्द	जीश तोला
वाल पागा दिक्ताठ	पुद्ग तोला
दी सापु द्वा	मे था तोला
लं वा तोला	लका दुग तोला
प म कै मर तोला	जामे यल तोला
कै को स तोला	सकु मेल तोला
प्री मरु तोला	के मरि तोला
पुद्ग तोला	वाल वीती तोला
कय ह तोला	वडे मल तोला
	देही व डी माह तोला

पील कवल तोला १ पाती श्री ग मात ये गुलो व मती तोला १

का वरुनाला

तील कवल तोला १ पाती सीग मावु चे
 वल तोला १ ती हो गजी द
 मो था तोला १ सीत जरो को वा
 अले ची तोला १ वक यता ५ ते द्री ला
 को स तोला १ प द्रो
 श्री जी रज तोला १ ल वा ग तोला १
 उ सी र तोला १ श्री श्री तोला १
 की य ला तोला १

गोलो व अ ती तोला १
 वल तोला १
 ते ज मा त तोला १
 मरी च तोला १
 पा मी त वे द तोला १
 ज वा तु तोला १
 वी त्या तु त तोला १
 ती था तु त तोला १
 मली ज द तोला १

ये ती श्री सदि ये ती व अ दि अल
 अल गदि ये क गदि तातो वात री मी
 म म गदी र म लु ग मा तु रा त्र ज रो
 गु लो मा ती ह ला आठ प च द्द द

ई मा ला ४ सा ला श्री
 माई मा ला २ ये म् जे च्छा गा दि व ता ५
 मा त सी ग तो प ज त्या भा ग द्रो
 मो म था म द्र ला व द म तोला ४
 मा तु मा तु ला य ल वा द तोला १
 मो म था वी ल ती श्री श्री तोला १६
 ती म मा त दि तु त्री क को ला १
 ती म मा त दि तु त्री उ सी र तोला १
 ती म मा त दि तु त्री श्री श्री तु तोला १
 ती ये ती हो ग द्रो वी स लो व तोला १
 ती ये ती हो ग द्रो अ ले ची तोला १

श्रीगणेशाय नमः —

गुरु के प्रद्वे

हरीताथ माला मंत्र

ॐ हरीताथ फा हरीताथ फा ह
ॐ हरी लाल दो सा जातु गुह गोम
॥ २१ ॥ ३२ ॥ फेरा ॐ अछे ता दान्ती
हरी तुई स्या श्री मे रव कि वाचा

गालु को मंत्र

ॐ लिलिलि ॐ पाह स्यादा ॥ १ ॥ ३ ॥
गुमरि च मंत्र गालु कदि भात सारु
की को हद ॥ २ ॥

द्रव पस्या को मंत्र

लप्याती गोप्याती तेरो कोइ कता गयो
ल गयो गोल वागे आयो दाह व
ये को ही रु कुला मासु पस्या को
ही कुला जा मी का पाह स्या गो रा
ता कि वाचा ॥ २ ॥ साथ फेरा म

गालु को मंत्र दो

ॐ थी को अथाव की गते स्या वाकी
तेरी आया ॥ ७ ॥ कि को तुत ॥ १४ ॥
म मंत्री करी गालु मी तवु वी को हद

पिठु छे मासा रि तुत मंत्री वात दिते

ॐ ये डे वत ये डे वासा अरी गालु को
त मागु र को दान ॐ यत ॥ ७ ॥ फे
म मंत्री कवी को हद

मे रव जय हो वात मंत्री चार म
काल ते

१ ॐ सार कि कोरा वज्र तला वी च ह
लामिलि हतु मी न मिलि वेरे आगे
म अगु वासा कि पीदे रा मुं मे रव वा
वादी ता रा मुं श्री तर सि ह विर वा वे
मुं दे व वाल विर क वाल रा मुं काली
का जो आवै माद्र म माद्र काली मा
ई को ही या फा रे डहि मरे रा फर
व इ स्या माद्र देउ गोरा वात वता को
वा ॥ २ ॥ दे लो व द्यला को को मी

महात्मा श्री ब्रह्मांड गुरु को नमः ॥ १ ॥ श्री गुरु का वाक् ॥ १ ॥

महात्मा ज्ञाना इति उजे महे ॥
॥ १ ॥

श्री का चो हले दो मा मी मातु मरा
गी लातु लु रातु को व दजी ॥

ॐ रातो रातु वातो रातु तदु के तुम ॥
को कर को मा तु दे मी चि रि काई
जातु दे मी फो रि काई दु इती ॐ ॥
॥ १ ॥

कोरु श्री लाई की त्या मी नु दो —

ॐ आई वाचुं माई वाचुं मद्रु वाचुं द
सदु वाचुं काली का वाचुं चीरा
सी वाचुं म व्या राती दुं किती को ता
रा माली लीत ते मे रु मे मे रु फु मे
व ई स्य रको वा वा ॥ १ ॥

गुरु माया को गा रु मी नु दो —

ॐ तारि सदा श्री के द्या के रि गुरु कले जो
का रि को लो मे रु रा मल द्यो मरा को वा वा

गुरु गुरु को दुहाई ॥ १ ॥ के रा मी नु

ॐ जो वाहा चले स्यो वाहा छी रहो धि
दो धि रहो राव दे को वा वा ॥ १ ॥

तेल लया को गुरु का उते मी नु दो

ॐ गुरु सी च्य गुरु ॐ गुरु सी च्य वा
द गुरु वाचुं वं दि हो दु दुहा वि रवल की
वा वा ॥ १ ॥ रवी मी गल मा अ व मा ग
जाले मी नु ले मी नु म माल नु लाल
जाले तेल दु नु वं दि दुहा जी ॥

गुरु को दुहाई ॥७॥ केरा मी ननु-

सी छे कया लु छे को मी ननु-

ॐ श्री लक्ष्मी मङ्गली दुवि ता ता दुई स्थि
री गौ ता पाव ता की वाचा ॥७॥ केरा
फुकलु

आवा कया लु छे को मी ननु:

ॐ श्री लक्ष्मी मङ्गली दुवि ता ता दुई स्थि
री पाव ता की वाचा ॥७॥ केरा फुकलु

धमकी धमकी को आने मी ननु:

ॐ तच्चै हि तच्चै ही पति पदीले आलारे
वाला रोग तजाते वोटे मजाते लोका कि
री तजाते धमकी का फल लित सत्
गुरु पा जाई लख माहा देउ जो रावा
ता माहा देउ की वाचा ॥७॥

श को पातु व सी ह को मी ननु लेहा
वा

नमो भगवते वासुदेवाय
पहला तेल माना २ मिलाता उमासा १ प्रिलिते से तेल माप का डेढ़
दो अनाज २।२ तोला मान ॥ आत के कपड़ा जो है
३०३०

एकपुट १ मुर्चा सीध १ बियाट १ निकोते थु १ कम्पुटि १ कागज
को सभाषल गुर्न भेदा भया पाहिलानु सर्वभित्ति जिही है
अस्त्र वसा भाषने हो

कपुट १ धालु को लिंग १ मिलातु मरुसा धिचिलिग माले पंगु जस्तो म
स्त्र संगसुट द तो अस्त्र आक निहं है
अस्त्र वसे गने हो

मौ लोच १ धतु का जोडा १ पासे १ कपुट १ श्री वी १ धाति वी व भाग
हि पाति सा धिचिलिग माले लंगी से भोग गुर्न वसे है है
अह को भेद दे द पासा भा

काली हले दो १ माई को धुमा हला गा पावादिनु भेद जान है
मातडा को औ सावित हो

श्री वी १ कपुट १ लंगा धु प्रात को ल मा तितो पावादिनु तव पितडा छुटता
वे ॥ तसे पितडा के धा पासा १ चंद्रन मये दि गुर्नो १ मुमे १ वि
हं तो १ अह कि १ धानिया १ धाति सव पाव द गा प्रात काल मा २।
सासा का गोति वनाई ति ति गो लिता ता पा नि र्म ग जाना दिनु ७ दि मा नि
काले है कोला को चाना १ मुमे अह कि धानिया १ वलु क म माई
इति सव भि सा जाना दिनु पितडा गो नि काले

अर्थ दि कृत के गति

माच १ धातला १ मुमे १ लो १ वसा १ धात

माच १ पिपला १ मुम १ लो १ जवानु १ विमानु १ वरी १
अहवि १ पातिलवलाकगी ३ मासाको जालिनाई जानादिनु २ दि
मा कफुडा निवाहने मेकद्रुजाके गठि

पाहिजात फूल के पात १ ला १ कला मिता पके मा ३ माना पानि
जालि पकाहु पकाहु २ माहि ता मि ते हि जानि जानादिनु जहानि क
हने स्वहिता पके मा क जह मा दा जालि पकाहु ते स के डाल
जानादिनु २ दि मा जहानि के होला
मेकद्रुजाके गठि

मास के पात १ दुमा के मीम १ इति मिमि ३ मासा दा जालि वनाई
नादिनु जहो आहु ते सादिन के लुका जानादिनु ४ जालि नासा जहो नि के हो
ति जहो आहु के गठि

मास के जहो १ विह के जहो १ अहवि १ मीत ३ थो क दे के गठि
जाजि जावादिनु त जहो नि के होला जमना के जहो आहु त वाधु पदि
वाधिदिनु ति जहो नि के होला
का म जहो के गठि

प्रातुल मे अहि प चहु ता ता डाल जहो आहु नि के ला मासा नादिनु नि के होला
मे आहु त मे गल वा पाणि नादिने लला मा के का ठलाई पुजा गहि लाहु
जव का म जहो आहु ते ले के लाधु पदि जहो वाधिदिनु १ दि मासा
जहो नि के होला

तपासिल वसोडि को गहि पकाई ना को तदि प ॥ ॥ सो गहि मिलाई प का
प कर्हि ना गनाई ह सो गनाया को सो भया पाई पाव को भाने डाव नु
अ तो को हो

मु के को चु सीत १ तिते पात को ल १ कस्तुरि १ अरु १ शिडर
सो १ कहना तेल १ का को पात सो पात गो को गहि
आ छि टिलाई हो

कहना तेल १ तिते पात को ल १ शिडर १ कस्तुरि १ का को पात
सो भया को गहि
आ छि टिलाई को मजम

गाई को चु पाई १ अरु पाई १ अरु पाई ॥ ॥ पक्षि को को सो पाई ॥
आ छि वाट चु प काई पाई वाट गहि हाल नु
सर्व छ टिला नि को उमा

आ दं को आ च पाई नु १ समुद्र कि नि को (सद्यो टिलाई नु १
के ट को गुषा दि द्या उ को टा प द्या टिलाई नु नि को ईद
सैन छ टिला को हो

सि पालि की थक जा द्या टिलाई नु नि को ईद
गाइ मु क न्या हो

देव को मा सु मु स स गहि पानु नि को ईद
स गं प ल ले दो स गहि गाई क त सि त ले प ग नु

हं छि टिला को त नु
अ को डा प उ छे न मा ग न्या नु

नरगजानपुत्रममहसंगमपुत्र १ पुनर्नगरीगार्हपत्यमम

आषाढ आशुवो आर्द्रिका

उहलगात आषाढ चर

उभयो आदेसी गृह काजाते ताये सर्व ताये देव ताये भूत ताये मम
सुत्रे लोकता ताये ही किं निप्रजा मम मी प्रसावा मंत्रमा चरमं मंत्रमा
वर्तनं वर्तनं ताये सत्य सत्य सत्य अनत्वा ताये ई प्रत्वा ॥ ३ ॥ वा

सापको विषम ईतको दवाइते
न्या मी सावित्री

स्यानुको मंटागतलभावि चपाई लाई दिनी कोई द
दाते तेगको दुनागने

प्रत्वा ई दाते गले सपातो को मनुष्य लाई २ तिप्पा पुत्रमा
माई हा ए माला मिठ माई ए पुत्र ३ अजुला पा भावि पुष मा
व्याधि दिनु के रि जान दहा गीषा न दिनु ऐ ग जान द
आषाको फुले जाने

चाँ आमिलो १ कपुट १ तिहाला दिनु नि कोई द
व को ५५ हाला दिनु नि कोई
ने पालिषा दि एको ओ सवि

सेतो १ कालो १ एको १ ॥ ३ जात को हो
आदि १ एको २ कपुट मासा ६ सवपु तोला १

सवे तोला ३ केस माफा ॥

सद्योत्तोल ३ : केस[मा-
लवप्रोर्विकाग्रहि
आलेपानिस्तति
निर्लनुगुष
प्राप्तानि
५ या ३

ॐ नमो

॥ देवि स्व

गुणवी जाहि

ॐ सुन सस्ते पहिली पा.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

५१० अं प्रने हा.

[illegible]

५॥ श्री गणेशाय नमः ॥

२३९ श्री प्रकोलेश्वर स्वामि लेश्वर भैरव नाम संज्ञा मुनिपाद
लिखा हस दो च नु वे दा स्तोलां दो दे वानि गालिका सदा
गति दे द्या हा वा गा दु डा मे ड क म ड फो ट उँ प्रका रक
मते मते मते ममं को वा चा ॥ १ ॥ ॥ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

विगाद्योकि अरे

विगा...
२३...
६...
॥ ओम नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1672

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कालोष १ अथ एकोपात १ निष्कृष्टिकोपात द्वावि कोट्य
 लानुमि देष्ठा कोनि के ऊँ ह
 आवा कपाल ५ वेको ओमलि

मातृ- ॥ एति गो ॥ आरुद्रोपातपतिर्दामातृपुत्रविकोऽहं
कुलोत्तानेष्टिजाये

समं प्रसिद्धं मन्त्रादि आद्या माहात्म्यं नि कोटि व
आद्या कोटि लानि कोटि वा

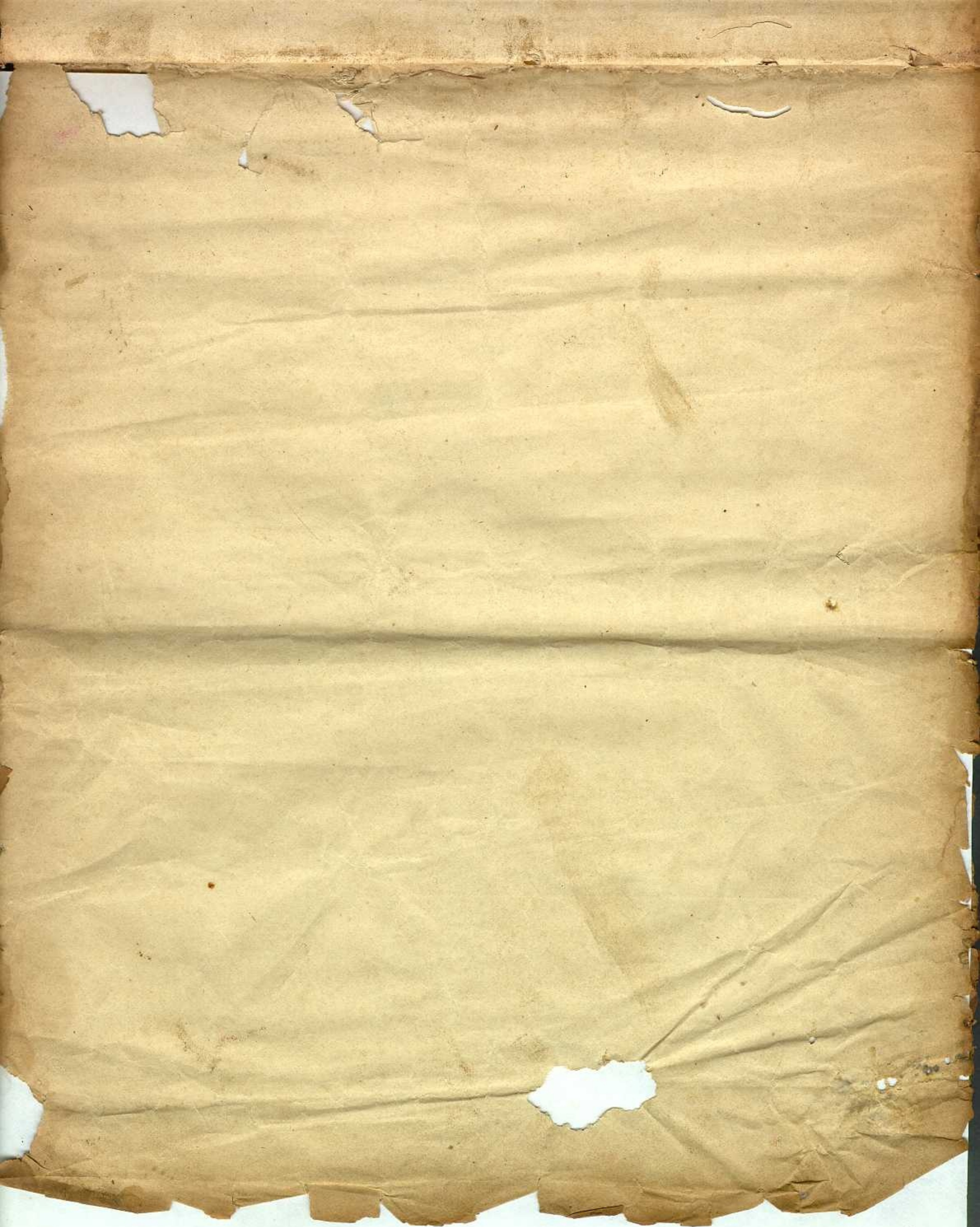
कालिवाहि का दुवा टल पाया को (सुन) सैगरी लाल न निकोई
नै हो कोयी मुंसा

तिम १ मास १ कला मन्दावना १ मुनि १ तिल आपका २ की माता ल १
कोई ६ मा ५ के ओ मादि

(१) अथ शिव काव्यम् । लज्जासिन्धो नाम १ धनेश्वर नाम १ भक्तानाम्
महा १ कालाग्निल १ सितोत्पल १ तटस्थी १ विनिर्दिष्टेन्द्रो महा १ वृ
षभ नाम १ दिग्दशस्त्रनामिकादि
युगल कहें

आग १ भूगो १ शिव १ लक्ष्मी १ पलगा के डाल का १ माय का १
 शिवा १ प्रसा १ गतो माने १ गजा १ तुल का १ गुंदा १
 क १ को १ गोला १ वले

॥ अं ५ ॥ महाविद्यालय काठमाडौं, नेपाल ॥



[illegible]

महाराष्ट्र शासने २-२-१९२२

4	9	2
3	5	7
8	1	6

30	50	7	5	99
90	4	2	9	99
95	4	4	4	2
95	C	30	4	9
24	C	7	2	99

A circular diagram with a central circle containing the numbers 5 and 4. Surrounding this central circle is a ring of numbers 1 through 10, arranged in a circular pattern. The entire diagram is enclosed within a decorative, multi-lobed border.

आवाक झालाड घने
कोटि वृत्त

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

c	95	2	92
99	3	92	92
24	90	c	9
5	4	99	90

प्रबुद्धो नाप्रकृत्या सं

जादू को हो जैचु
मुँद विवाह ल
धनु गला प्रासाधनु

मातृजालाई गुरु
मा. ११

5	92	2	9
9	3	90	5
92	7	5	9
8	7	5	99

A square diagram with a central circle containing the number 3. The four corners of the square are labeled with the word "of".

तक्ये
हाइ
कइअ
कइअ
कइअ

२	४	२	७
३	२	४	५
४८	४२	८	७
४	५	४	४७

उत्तमोत्तम
साधक

विश्वेश्वर
साधक



वि	वक्र	वि
वि	कत	वि
वि	क्रि	वि

दुदभेद ही किनि
सांकिनिदेसांतिग
कोदेसा

सर्वोत्तमोत्तम
सुखोत्तमोत्तम
ओलोचलोत्तम

अर्धोत्तमोत्तम
साधक

००००	००००००	००००
१५	३	८
२४	१०	४८
४२	४४	४

२४	८	१२
३	१५	२७
२१	६	

३२	१२	१६
४	२०	३६
२४	२८	८

कोकसिवापाहिवात्र
लाजापाहिदेहा
देहा मरु

श्रीमहाविजोर्जितोत्तम
काजोर्जितोत्तम

१२	८	१	६	१
१०	३	५	७	५
११	४	८	२	८
२	७	६		

मुतापत्रुमा
जुनपद
ओलोचलो
मनु

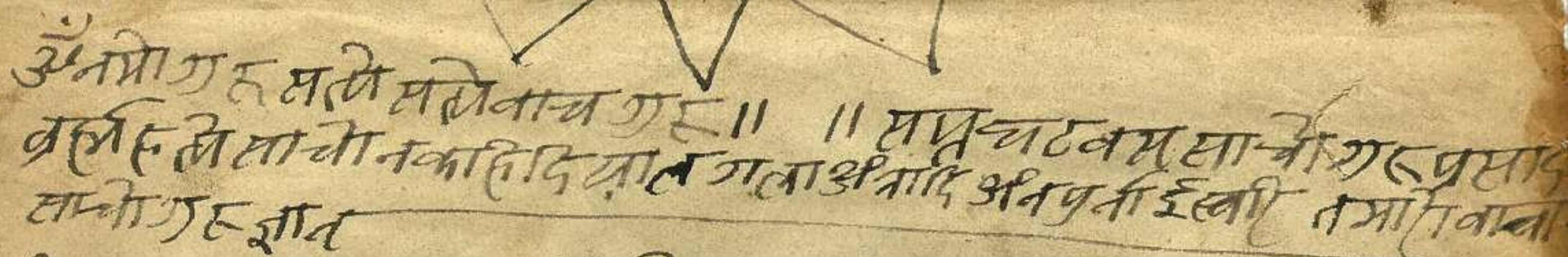
४०	१५	२०
५	२५	४५
२४	२८	८

कोतंरुमालेडमाई
मालेडमाई

अत्रजगताहिमा मंत्रले
मंत्रले

जीवजगत्त्रिंशत् मंत्रलेखे

१७० प्रज्ञासूत्रादि कालदेवि कृष्णाया गार्हपत्ये प्रवृत्तौ प्रवृत्तौ प्रवृत्तौ
अथ गार्हपत्ये प्रवृत्तौ प्रवृत्तौ प्रवृत्तौ ॥ १७० ॥



१ प्रापणा आनि मीकल लेला पेह माडलला अथवा पखलानीत होला सु
लवात जो दुखा हरा काति थि काणि प्राणि होला निद्रा हव ॥ १ ॥
२ अतला ग्या को हेद ॥ मी हो ग र गा जो किना त जि सा को वे धा द
कपाल मुहा वि जा दाला ग्या को वे धा द ॥ कपाल पानि ड म दो होला ॥ को
पानि ड ल चिला दे होला ॥ आषा पानि ड सा को द ॥ पुर्व दि सा को म
त को दो ब द ॥ हा हो ग स हो पानि ड ॥ बाट ल जानि आ हो मि को स हो
द अका स दे वि धा तुला हा प्र दो स ग्या को द ते हो को का म

पुनः देता मेमिहद ॥ अक्षोपुनि आलि मम ॥

पुनः पुनः देता नमिहिद ॥ चको पुनि आलि असु मद ॥ कोलेवन
मालता ललि अमि मादक ॥ १ ॥ आकोद ॥ ऐति दोष भाषा पानि सुक्र
नेस को पुता गनु ॥ २ ॥

३ कोस सुईद सुल जाठ पलेला ॥ पात माउते आह्ला ॥ मां एव
लोहिला ॥ कपाल अलि अलि उषला ॥ आउने उह गमा के उस्तो उ
ला ॥ ३ ॥

४ एकेस को दोष द ॥ मुसो ग आउने देसि आ गने दि सावा उला गि
आका कोने थाद ॥ मासु दाहि मा स्या नि मा देले ना स्या को हेद पु
सो वन मया को मां दे होला ॥ पिट पति काह्ला ॥ मुस पुला को द मे
एको वर पति कालो द ॥ आत मा पति उहेद ॥ न व पति मिला दे
त लवे सीग द गग द ॥ प्रदेस कोटे मा अल ममलि हेद ॥ च सु म द
को लेल गमा को मसु जो ल ग मा मिया ॥ गह द व गनु च का कुल देव
वता ए साका को द ॥ ४ ॥

५ होर आह्ला दिन मा पति एर मा पति की वा जो ले पि दा दि पाति
मा कोल द ॥ गुता चत पाठ ईद नहु र्कि ॥ हात गो उ उ मला ॥ जा उ अर
चि होला ॥ ५ ॥

६ माई को दोष द ॥ वाउ ते ग ॥ जो गवे को द ॥ कोल व मी पति ले
देता ॥ आ उ आहुं ग ए साका उ सो ई द वा तु म थान वि क्रि द ॥ ६ ॥

७ आने दोष मा को मरु ई म ई ला था कोने था द ॥ ए गाह्ला अव
मला ॥ कान मा क उ ई क दाल उषला येसु हो जा तु अह चि उ दे
ता ॥ ए ई च उ द ॥ आका को उ व त वे गते द व ल द ॥ काम ला
कं छुटे को वेला मा अवेत होला ॥ ७ ॥

कोकसिलायाकोद ॥ हृदयपूजे ॥ अक्रवातलाउआका
नेथाद ॥ नलपतिलादेता ॥ सागमाआदि ॥ कोहकोहको
लनपतिमलादेताप्रसाथाउलोकापनिगद ॥ ग्रहपतिमादेविशेकोद ॥
ग्रहपुलकोनेथाद ॥ प्रदेसिमादेवस्माकोद ॥ चोकोहातमा
लाकोमालहातलादेता ॥ तबोलिहनु ॥ वस्पातिउरमीगलकोपु
कातगनु ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥

सिउषलाअमवाचाठिमापिउहोलाकीतहोलाविद्राहावता
मादततोकालाउमाईआदि ॥ आभातेमाथमाहेला ॥ गुरो
धर्मपानिकुरुतमाला ॥ कुमिचुमिसिउषलाचाकोकुवदेवता
कोदोषदमादिमादिमायाद ॥ आभापनिउषदपेटमा
लमिउरुद ॥ एतविजादेमुतकवापुत्रसोपनिदगुमि
सिलोवगासाकोद ॥ आगमापानिकुलोहोदयाकोद ॥
कीवासासमाईउषाकोदकीवाउषदद ॥ हत्केलपानिनि
लाईद ॥ प्रदेसिचादेआदि ॥ चोप्रसाआपुचलप
दचवमालमिलद ॥ ९॥

१० अग्निमंडलहोलाकादिअलसिआहाउअहचि ॥ पितृजा
गिरालागलानेप्रसातेउहिहोला ॥ कीपतिवउलिदिनमा
तिआदिप्रहमा १ संवदप्रतिपेप्रहमा २ पितृजाप्र
लागाकोद ॥ १० ॥

११ मादिमादिमादेसिआकाकोनेथाद ॥ गुरआदि ॥

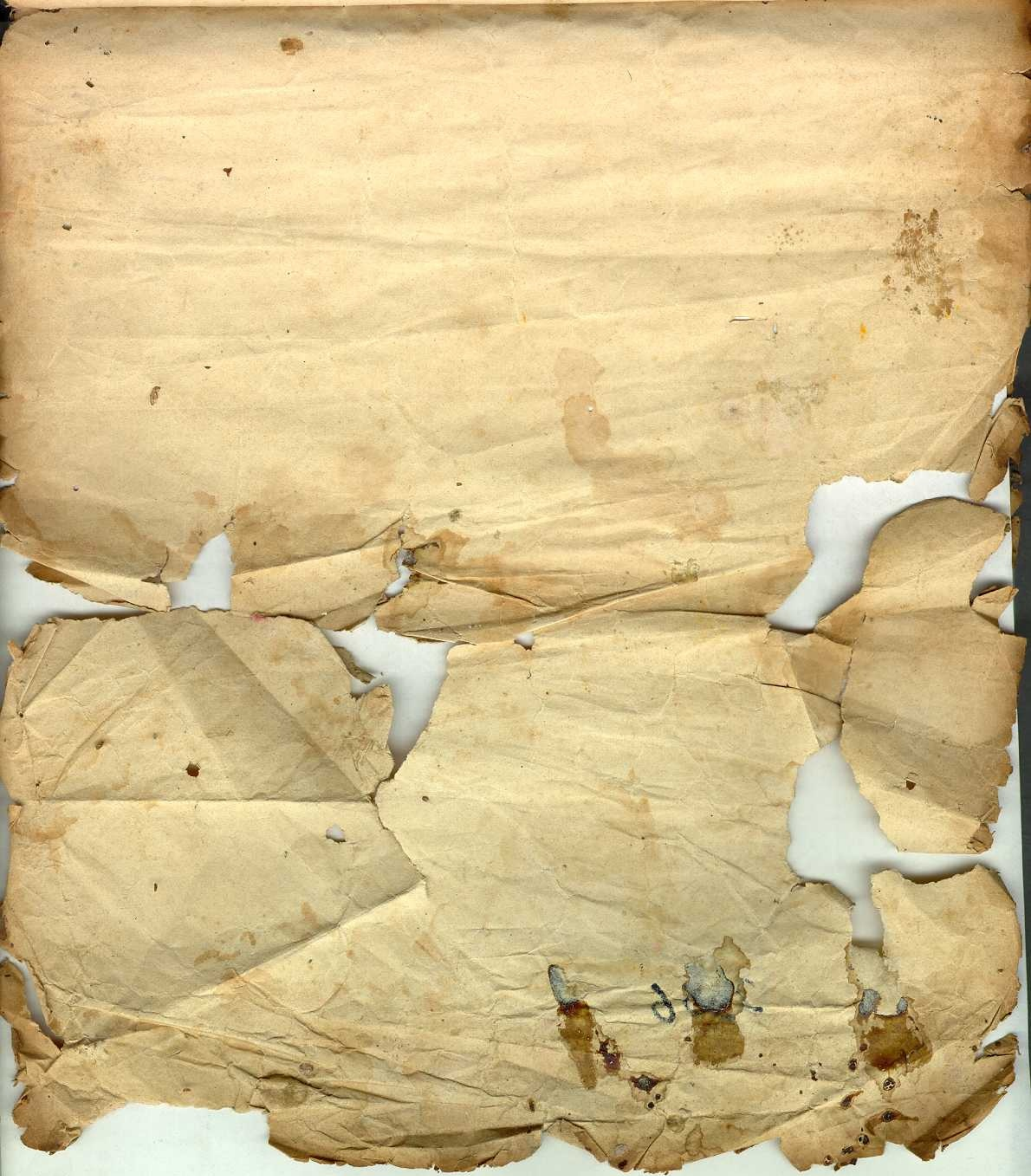
१२ गुरोआदिपितृजाकोद ॥ १२ ॥

ॐ गुरो आर्जुन पितृ गुरो ईद एर मा मा हो होला ॥ मानि बाला गुरो
मा हो होला आग मा धि प होला हात गो दाद बला ॥ अगत गुरा के वे पा
द गुर दान गुरु का धि गुरा अति न हो भो गुरा को मानि सला गि हि द
गो एर मा पति ना स्या को द सव अ गुर द द ॥ गि गि द मा द
ति र्मा अ नहु द्या इ दे ला आर्जुन मानि स स गला गि आ पा के वि
धा द ॥ वे धा र्क मा एर मा मा हो हो हो दि व मा मा असा संन
इ दे हो ॥ सा हो वे धा र्क मा इ लु वा ला गि आ मा को द ॥ च एर नि
ग म द प्र दे सि आ न द द ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१२ बाला दे हो होला सखा गुरो आर्जुन कपाल मा धि हो हो
क व मा द बला गति मा पति दि र मा पति को ना धि हो होला ॥
अन मसान को दो द द गुरो ग व इ को द सा दे धि ला गि आ
धा को ले धा द ॥ आत मा पति गुरो दो हो हो द पि पा स पति ला
दो हो हो गि को सव अ गुर द द ॥ अगत गुरा के दो बपनि द
अल का दि म मा डी म मा को ला पा को द ॥ च एर नि धि धि म
मा को अस ले द ॥ प्र दे सि द गि हि द च र म मा आ धा के द
को होला ॥ मा म मता हनां जि ना पा ए स को ॥ १२ ॥
आ क स व ले ब मा कु ल को हा रे दि हो ल दे ए गा वि ब मा मी
व ज पा पा म ग हो गु धा ना अ गु धा वा म मा दि द ॥ १३ ॥
स म १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

कालिदासाहं हं चरायो ईश्वर को जानि भो म क दिगा ईश्वर
महत् काम म हं हं तो विदो जिन ॥ ईश्वर को कहालि ॥ मं २ गति
हं को ना तो वाचि वला ईश्वर का नि पका ॥ पका दि ॥ नाल ल
सहसा नम कि यश (अन रुद्र पा सा मि त्र वाल क वाल मां ही म
ता का मि ता ॥ १ ॥ वा चाल मि ता का ना मा ज्ञा ॥ म
सी ई ना र्क जानि का मु ना को आ गे से हि मो ह मे मां दि
लो मो दो हलो भो ॥ १ ॥ ॐ



तागात को हो

गीरा — ५ रुडी — ५ सुभो — ५ लक्कीग — ५
— ५ तागा के सरा — ५ दा लक्कीनी — ५ आइ के ल — ५
पल्ले पु — ५ श्री सिंद — ५ रगात बंका — ५
— ५ दोल को चाना — ५
— ५ आहरी — ५ रुका
— ५



